दूसरे ग्रह के जीव मिलें, तो क्या करें?

सेंट एंड्रयूस विश्वविद्यालय के मार्टिन डोमिनिक का मत है कि दूसरे ग्रहों के जीवन के स्वागत को लेकर आचार संहिता का निर्माण राष्ट्र संघ को करना चाहिए। उनके मुताबिक यह इतना महत्व का विषय है कि इसे किसी एक राष्ट्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। घबराइए मत, दूसरे ग्रह से जीवन कल प्रकट नहीं होने वाला है हालांकि पृथ्वी से इतर जीवन की खोज (सर्च फॉर एक्स्ट्रा-टेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस यानी सेटी) के अभियान बरसों से जारी हैं। कई सारे उपग्रह इस काम में लगे हुए हैं मगर कोई नहीं जानता कि यदि किसी अन्य ग्रह पर जीवन मिल जाए तो अगला कदम क्या होगा।

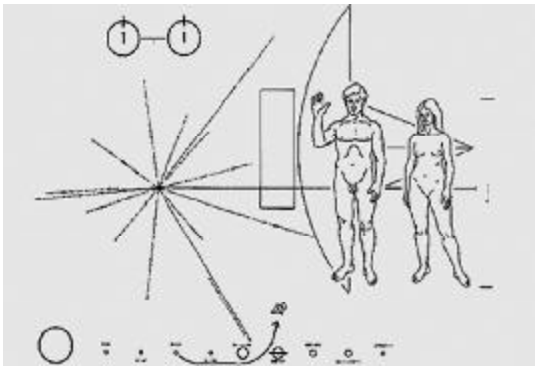

यह संदेश भेजा जाता है बाह्य जीवों की खोज में

डोमिनिक का कहना है कि फिलहाल किसी सरकार के पास इसकी योजना नहीं है। अलबत्ता, सेटी से जुड़े वैज्ञानिकों ने एक मसौदा ज़रूर तैयार किया है। इसमें सलाह दी गई है कि ऐसी खोज होने पर पहले सावधानीपूर्वक परिणामों की पुष्टि करें, फिर तत्काल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर घोषणा करें और तत्काल संपर्क करने से बचें। इस मामले में एक अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनाने के लिए लंदन में एक सम्मेलन आयोजित किया गया है।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के पुराजीव वैज्ञानिक कॉनवे मॉरिस पृथ्वी से बाहर जीवन की खोज के परिणामों के प्रति आगाह करते हुए बताते हैं कि पृथ्वी पर जीवन के विकास के अध्ययन से स्पष्ट है कि संवेदना व सामाजिक संगठन की समस्याओं के समाधान सीमित हैं। मतलब है कि अन्य ग्रहों के जीवन और पृथ्वी के जीवन में बहुत समानता होने की संभावना है। बहुत मुमकिन है कि अन्य ग्रहों के जीवों का संवेदी तंत्र पृथ्वी के जीवों जैसा ही होगा। हो सकता है कि अन्य ग्रहों का सामाजिक जीवन भी इतना ही हिंसक होगा। शायद कीट इसी तरह विनाश करते होंगे और बड़े जीव युद्ध में लिप्त रहते होंगे।

मगर यदि इतना विकसित जीवन न मिला, तो भी समस्याएं बरकरार रहेंगी। पृथ्वी पर तो हम सूक्ष्मजीवों को बहुत महत्व नहीं देते मगर यदि मंगल पर कोई बैक्टीरिया मिला तो उसका जलवा कुछ अलग ही होगा क्योंकि वह वहां के जीवन का शायद एकमात्र प्रतिनिधि होगा। अभी तक यह भी फैसला नहीं हुआ है कि ऐसे जीवों का व्यापारिक उपयोग किया जाए या नहीं। या उन्हें किस तरह की पेटेंट सुरक्षा प्राप्त हो। दूसरे शब्दों में अंतरिक्ष की जैव नैतिकता पर व्यवस्थित बातचीत नहीं हुई है। अब कोशिश चल रही है कि इसे लेकर कार्यशाला आयोजित हो ताकि कुछ सहमति बन सके। ***(स्रोत फीचर्स)***

स्रोत सजिल्द

स्रोत के पिछले अंक

एक वर्ष सजिल्द रुपए 200.00। डाक खर्च रुपए 25.00 अतिरिक्त ।